भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2548
16 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय- सुपारी की फसल को नुकसान

2548. श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को कर्नाटक के शिवमोगा जिले सहित मलनाड क्षेत्र में फलों की सड़न (कोलेरोगा), लीफ स्पॉट रोग और दुर्बल करने वाली पीली पत्ती रोग (वाईएलडी) जैसी बार-बार होने वाले रोगों के कारण सुपारी (आदिके) की फसल को हुए गंभीर और व्यापक नुकसान की जानकारी है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान इन बीमारियों के कारण शिवमोगा जिले में अनुमानित वित्तीय हानि (करोड़ रुपये में) और कुल कितना प्रभावित क्षेत्र (हेक्टेयर में) है तथा उसका विशिष्ट ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा प्रभावित किसानों को तत्काल केन्द्रीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कर्नाटक को, विशेष रूप से शिवमोगा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित सुपारी की फसलों में रोग के कारण होने वाले संबंधित नुकसान से निपटने के लिए अब तक प्रदान की गई वित्तीय सहायता, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र (सीआईपीएमसी) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान कर्नाटक के मालनाड क्षेत्र में सुपारी को प्रभावित करने वाले फ्रूट रोट (कोलेरोगा) और लीफ स्पॉट डिजीज के हल्के लक्षण के मामले पाए गए हैं। तथापि, वर्तमान वर्ष अर्थात 2025-26 के दौरान अब तक फ्रूट रॉट और एलएसडी का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

(ख) कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, विगत तीन वर्षों में शिवमोग्गा जिले में अनुमानित वित्तीय हानि और कुल संक्रमित क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	सुपारी का कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	लीफ स्पॉट डिजीज		कोलेरोगा (फ्रूट रॉट)	
		कुल प्रभावित क्षेत्र (हे. में)	वित्तीय हानि (रुपये करोड़ में)	कुल प्रभावित क्षेत्र (हे. में)	वित्तीय हानि (रुपये करोड़ में)
2022-23	1,18,836	5991.3	14.970	6720.10	16.800
2023-24	1,25,456	11950.0	31.368	8800.00	23.100
2024-25	1,37,410	30630.3	136.300	37383.40	166.350

(ग) से (घ)**:** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने सुपारी किसानों को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों, जिनमें येलो लीफ डिजीज (वाईएलडी) और लीफ स्पॉट डिजीज (एलएसडी) शामिल हैं, के समाधान हेतु वर्ष 2022 में सुपारी पर एक राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति (एनएससी) का गठन किया। विस्तृत क्षेत्र अध्ययन, परामर्श

और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर, एनएससी ने अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें उचित पोषक तत्व प्रबंधन और फंगीसाइड़ एप्लिकेशन के माध्यम से एलएसडी के एकीकृत प्रबंधन की अनुशंसा की गई। वाईएलडी के लिए, वाईएलडी-सहिष्णु पाम की प्रजातियों की पहचान करने और टिश्यू कल्चर के माध्यम से उनका प्रसार करने हेतु एक दीर्घकालिक कार्यनीति तैयार की गई है।

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी) ने वर्ष 2024-25 में कर्नाटक के चार जिलों (शिवमोग्गा, चिकमगलूर, दक्षिण कन्नड़ और उत्तर कन्नड़) के 10 तालुकों में प्रभावित क्षेत्र के चयनित किसानों के खेतों में सुपारी बागानों में लीफ स्पॉट डिजीज के सामुदायिक आधारित प्रबंधन पर एक व्यापक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम के लिए तीन वर्षों की अवधि हेतु 6.316 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

भारत सरकार ने सुपारी में लीफ स्पॉट डिजीज के प्रबंधन के लिए वर्ष 2024-25 में कर्नाटक राज्य बागवानी मिशन को 3700 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। वर्ष 2025-26 के दौरान, राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम) योजना - "विशेष इंटरवेंशन कार्यक्रम" के तहत, सुपारी की फसल में लीफ स्पॉट डिजीज नियंत्रण के लिए कुल 860.65 लाख रुपये का अनुदान आवंटित किया गया है और यह कार्यक्रम प्रगति पर है। इस आवंटन से 189.25 लाख रुपये शिवमोग्गा जिले को आवंटित किए गए हैं और अब तक 2755 किसानों को 146.24 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान, बागवानी फसलों में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन के तहत, बागवानी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा सुपारी के लीफ स्पॉट डिजीज के प्रबंधन के लिए 8661 किसानों को 250 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत, सुपारी सहित बागवानी फसलों के एकीकृत रोग/कीट और पोषक तत्व प्रबंधन के लिए प्रति हेक्टेयर 1500 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, मानसून और मानसून के बाद के सीजन के लिए पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (आरडब्ल्यूबीसीआईएस) के तहत जिलों में सुपारी की फसल अधिसूचित की गई है, और मौसम की स्थिति के कारण फसल हानि की स्थिति में उक्त योजना के तहत बीमा क्षतिपूर्ति की जा रही है।

क्रम सं.	**वर्ष 2024-2025 के लिए फसल बीमा का विवरण**	**सुपारी उगाने वाले जिलों के लिए**	**शिवमोग्गा जिला**
1	प्राप्त आवेदनों की संख्या (संख्या)	5,28,705	87,002
2	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	1,73,060.42	40,118.73
3	बीमा राशि (लाखों में राशि)	2,21,517.33	51,351.98
4	भुगतान की गई (दावा राशि लाखों में)	34,444.94	10,727.30
5	लाभार्थियों की संख्या	2,76,742	86,085

वर्ष 2025-26 में, आरडब्ल्यूबीसीआईएस के तहत सुपारी बीमा के लिए कुल 6,52,440 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1,18,345 आवेदन शिवमोग्गा जिले से हैं।

****